# एक भारत श्रेष्ठ भारत

(के अंतर्गत मेघालय राज्य का इतिहास एवं संस्कृति)

दीपक हरपाल दिवाकर
असिस्टेंट प्रोफ़ेसर (कॉमर्स)
राजकीय महाविद्यालय
भोजपुर, मुरादाबाद
(उत्तर प्रदेश )

31 अक्टूबर 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म दिवस था जिसे देश में **"राष्ट्रीय एकता दिवस"** के रूप में मनाया जाता हैं | इस दिन को और भी यादगार बनाते हुये एवम प्रिय सरदार पटेल को श्रद्दांजलि देते हुए हमारे देश के प्रधानमंत्री जी ने **एक भारत श्रेष्ठ भारत** की बात सभी के सामने रखी |इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सभी राज्यों को उनकी संस्कृति एवम इतिहास से जोड़ना हैं जिससे देश में एकता के नये रूप का संचार हो सके |

**क्या हैं एक भारत श्रेष्ठ भारत-** यह योजना मूलतः भारत के राज्यों के लिये हैं जिसमे प्रति वर्ष एक राज्य किसी अन्य राज्य का चुनाव करेगा और उस राज्य की भाषा, इतिहास, संस्कृति, ज्ञान विज्ञान आदि को अपनायेगा और उसको पूरे देश के सामने बढ़ायेगा | अगले वर्ष किसी अन्य राज्य का चुनाव किया जायेगा | इस तरह यह योजना पूरे देश में चलती रहेगी जिससे राज्य आपस में संगठित होंगे | एक दुसरे की भाषा को समझेंगे जिससे अनेकता में एकता का विकास होगा |

**मुख्य बिंदु-** एक भारत श्रेष्ठ भारत सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति को नव जीवन देता हैं |

# मेघालय

**परिचय–** मेघालय, भारत का उत्तरी पूर्वी और पूरव की सात बहने कहे जानेवाला एक राज्य है मेघालय राज्य का गठन असम राज्य के तीन जिलों खासी, जयंतिया व गारो हिल्स को मिलाकर किया गया था। मेघालय राज्य की स्थापना 21 जनवरी 1972 को हुयी व इसकी राजधानी शिलाँग हैं। वर्तमान में मेघालय राज्य में 11 जिले हैं। मेघालय पर्यटन स्थल , अपनी सुंदर पर्वत मालाओं, भारी वर्षा, धूप, उच्च पठारों, लुभावने झरनों, नदियां और घास के आकर्षित मैदानों के लिए बहुत अधिक प्रसिद्व है। मेघालय में अधिकांश उष्णकटिबंधीय वन पाए जाते है। यहां के वनों में पक्षियों, स्तनधारियों, कीड़ो और सरीसृपो (सांप) को देखा जा सकता है। इसलिए इसे पूर्व का स्कॉटलैंड भी कहा जाता हैं।

# मेघालय का अर्थ

मेघालय संस्कृत भाषा के दो शब्दों मेघ और आलय से मिलकर बना है, जिसमें मेघ का अर्थ बादल और आलय का अर्थ निवास होता हैं। इसलिए मेघालय शब्द का अर्थ होता है बादलो का घर।

भारत में सबसे ज्यादा वर्षा मेघालय के दो स्थानों मौसिनराम व चेरापूंजी में ही होती हैं। यहां सलाना 11,777 मिलीमीटर वर्षा होती है। इसलिए इनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हैं। सर्दियों में यहां ब्रह्मपुत्र घाटी से और गर्मीयों में बंगाल की खाड़ी से आने वाले मानसून के कारण वर्षा होती हैं।

# मेघालय की जनजातियां

यहाँ मुख्य रूप से तीन जनजातियां खासी, गारो और जयंतियां पाई जाती हैं।

1. **खासी–** खांसी का अर्थ ''सात झोपडियां होता है इस जनजाति के लोग खासी भाषा बोलते है और यह चमेघालय में रहने वाली एक प्राचीन जनजाति है। खासी जनजाति के लोग पान के पत्ते, सुपारी और संतरे की खेती करते है। यह बांस और बेंत के उत्पाद बनाने में भी कुशल होते है। भारत के कई राज्यो में खासी को अनुसूचित जनजाति का दर्जा भी दिया गया है।

**2. गारो–** गारो मेघालय और बंगलादेश के आस–पास के क्षेत्रों की एक जनजाति है। यह मेघालय की दूसरी सबसे बडी जनजाति है। यह लोग जनजाति के कल्याण के लिए कई देवी देवताओ के सम्मुख जानवरों की बलि देकर भी प्रार्थना करते है। इनकी भाषा गारो है। जो तिब्बती और बर्मन भाषा से मेल खाती है। वंगाला, गलमेकदआ, अगलमका और क्रिसमस इनके मुख्य त्यौहारो में से है।

**3. जयंतिया–** यह भी मेघालय की जनजाति है जयंतिया शब्द एक पूर्व सम्राज्य जयंतिया सम्राज्य से लिया गया है। इनके शासक सिंटेंग समुदाय के थें 1835 में जयंतिया सम्राज्य पर ब्रिटिशों द्वारा कब्जाा कर लिया गया थां आजादी के बाद 1972 में जयंतिया सम्राज्य जयंतिया हिल्स जिले के रूप में स्थापित किया गया। जयंतिया जनजाति के लोगों का मूल धर्म निमेद्रे है।

# मेघालय की वेशभूषा

मेघालय राज्य की पहचान उसकी वेशभूषा, रेशम और संस्कृति से होती हैं। मेघालय राज्य के लोगों के पहनावे में एक सादगी देखने को मिलती है। जो इस राज्य की खूबसूरती को और अधिक बढ़ा देती है। मेघालय राज्य की महिलाओं के पारंपरिक पहनावे को जेनसेन के रूप में जाना जाता है। इनके पहने जाने वाला कपडा बिना सिला हुआ शहतूत के रेशम से बना होता है और शरीर पर लपेटा जाता है। मेघालय की गारो जनजाति द्वारा पहने जाने वाले वस्त्र लोगों के निवास स्थान के आधार पर अलग–अलग होते हैं। गांव में रहने वाली महिलाए ईकिंग पहनती है। जो कमर के चारो ओर पहना जाने वाला एक छोटा कपडा होता है। गारो जनजाति के लोग जो भीड–भाड वाले स्थानों में रहते है वे भी लम्बे कपडे पहनते है। महिलायें ब्लाउज के साथ–साथ लुंगी भी पहनती है और पुरूष सिर पर पगड़ी भी बांधते है।

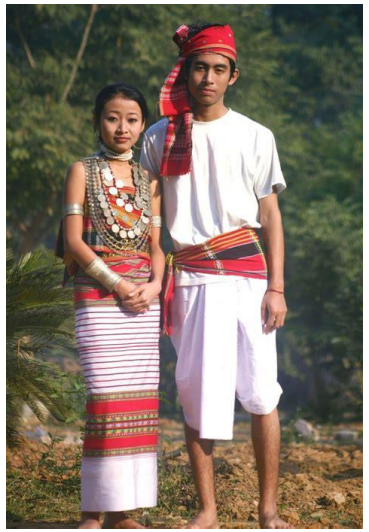

# मेघालय खान–पान

मेघालय पूर्वोत्तर राज्य है जहां बहुत से स्थानीय व्यंजन हैं। मेघालय तीन मंगोलियाई जनजातियों का घर हैं इसलिए यहाँ एक अनूठा खानपान है, जो पूर्वोत्तर भारत के अन्य राज्यों से भिन्न हैं। लोगों का मुख्य भोजन मसालेदार मांस और मछली के साथ चावल हैं। वे बकरियां, सुअर, मुर्गी, बत्तख और गायों को पालते हैं और उनके मांस को खाते हैं। जदोह की कुपु, तुंग–रायमबाई, और मसालेदार बांस के अंकुर का अचार खासी और जयंतिया जनजातियों के लोकप्रिय व्यंजन हैं। बाँस की कोपल के व्यंजन गारो लोगों का प्रिय व्यंजन होता है। गारो ज्यादातर गैर–पालतू जानवरों को खाते है, हालांकि उनके रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ कापा के साथ चावल है  जिसे एक विशेष घटक के साथ पकाया जाता है जिसे पुरम्भी मसाला कहा जाता है।

# मेघालय की मुख्य फसले

भारत एक कृषि प्रधान देश हैं और सभी राज्यों की अपनी–अपनी प्रमुख फसले मक्का और चावल हैं। हालाकि इसके अलावा भी यहां मेघालय में कटहल, केला, नाशपाती, संतरे, आडू और आलूबुखारा की खेती भी की जाती है। इस समय गैर–परंपरागत फसलों जैसे तिलहनों (मूंगफली, सोयाबीन और सूरजमुखी), काजू, स्ट्रॉबरी, चाय और कॉपी, मशरूम, जडी–बूटियां और आर्किड व्यावसायिक दृष्टि से उगााए जाने वाले फूलों की खेती पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

# मेघालय के जीव–जन्तु एवं वनस्पति

मेघालय राज्य के खूबसूरत जंगलों मे पक्षियों की 23 प्रजातियां के अलावा कई वन्यजीव प्रजातियां देखने को मिलती हैं। मेघालय राज्य में मयूर, तीतर, तितलियां और हूलॉक गिब्बन यहां पाए जाते हैं। राज्य का लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है जिसमें घने उपोष्कटिबंधीय वन भी शामिल हैं। मेघालय राज्य के जंगलों को एशिया के सबसे समृद्ध वनस्पति आवासों के रूप मे भी जाना जाता है। मेघालय के जंगल का एक हिस्सा पवित्र वन क्षेत्र के रूप मे ंभी जाता है।

# मेघालय की प्रमुख नदियाँ व झरनें

मेघालय राज्य के प्रमुख एवं प्रसिद्ध जलप्रपातों में हाथी फॉल्स, शाडथम प्रपात, वेइनिया प्रपात, बिशप प्रपात, नोहकालिकाई प्रपात, लांगशियांग प्रपात एवं स्वीट प्रपात कुछ हैं। मावसिनराम के निकट स्थित जकरेम के गर्म जल के झरने में औषधीय एवं चिकित्सकीय गुण पाये जानेकी मान्यता है। पश्चिम खासी हिल्स जिले में स्थित नोंगखनम द्वीप मेघालय का सबसे बड़ा एवं एशिया का दूसरा सबसे बड़ा नदी द्वीप है। यह नोंगस्टोइन से 14 कि0मी0 दूर स्थित है। यह द्वीप किन्शी नदी के फान्लियान्ग और नाम्लियान्ग नदियों में विभाजित हो जाने से बना है। रेतीली तटरेखा वाली फान्लियान्ग नदी बहुत ही सुन्दर झील बनाती है। इसके आगे–आगे जाते हुए फान्लियान्ग नदी एक गहरी घाटी में गिरने से पूर्व एक 60 मी0 ऊँचे जलप्रपात से गिरती है। यह प्रपात शादथम फ़ॉल्स नाम से प्रसिद्ध है।

# मेघालय उद्योग

मेघालय औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड राज्य की वित्तीय एवं औद्योगिक विकास संस्था है, जो स्थानीय उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। जिला औद्योागिक केंद्र लधु ग्रामीण, बहुत छोटे स्तर के तथा कुटीर उद्योगों तथा संवर्धन के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। लोहे तथा इस्पात सामग्री, सीमेण्ट तथा अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन के लिए अनेक उपक्रमों की स्थापना की गई है।

# मेघालय का उत्सव

1.**नोंगकर्म डांस फेस्टिवल–** नोंगकर्म डांस फेस्टिवल मेघालय राज्य के प्रमुख त्यौहारों में नोंगकर्म डांस फेस्टिवल प्रमुख है जोकि प्रतिवर्ष नवंबर के महीने में आयोजित होने वाला पांच दिवसीय फेस्टिवल है। नोंग्केम नृत्य खिरिम राज्य का एक सबसे प्रमुख त्योहार है। यह फेस्टिवल बकरी की बलि के साथ शुरू होता है। ''बकरी हत्या समारोह'' नोंगकर्म है। इस त्यौहार में कुवांरी लड़कियो और लडको सुंदर डांस देखने का मिलता है।

**2. वांगला फेस्टिवल–** वांगला फेस्टिवल मेघालय मे मनाए जाने वाला दो दिवसीय त्यौहार हैं। यह त्यौहार को शरद ऋतु के अंत में हर कटाई के समय मानाया जाता है। इस त्यौहार के अवसर पर लौग दिन रात नृत्य करना पसंद करते है। वांगला फेस्टिवल के आकर्षण का प्रमुख केन्द्र 100 ड्रम या नगाडे होते हैं।

**3. बेदीनखलम उत्सव–** बेदीनखलम उत्सव मेघालय के जैंतिया जनजाति के द्वारा मनाऐ जाने वाला यह बेदीनखलम उत्सव मेघालय में बहुत अधिक लोकप्रिय हैं। मेघालय का यह उत्सव प्रतिवर्ष जुलाई के महीने में बुआई के अवसर पर मनाया जाता हैं। इनके अलावा भी मेघालय कुछ अन्य उत्सव में लाहू, नोंगखिलत और शाद सुक मनसेम आदि शामिल है।

# परिवहन

मेघालय से छः राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं। राज्य में लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार की गई पक्की और कच्ची सड़कों की कुल लंबाई 7,977.88 किलोमीटर है।

# उड़ान

राज्य में एक मात्र हवाई अड्डा उमरोई में हैं, जो शिलांग से 35 किलोमीटर दूर है।

# पर्यटन स्थल

मेघालय में जगह–जगह ऐसे खूबसूरत पर्यअन स्थल हैं, जहां प्रकृति अपने भव्य रूप में दिखाई देती है। राजधानी शिलांग में कई स्मणीक स्थान हैं। इनमें वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड, मिनी चिड़ियाघर, हाथी जलप्रपात, और शिलांग चोटी प्रमुख है। शिलांग चोटी से पूरे शहर का नजारा दिखाई देता है। यहां का गोल्फ कोर्स देश के बेहतरीन गोल्फ कोसों में से एक हैं।

# धन्यवाद

INDIA
POLITICAL MAP
MapsofIndia
AFGHANISTAN
KABUL
ISLAMABAD
PAKISTAN
CHINA (TIBET)
NEPAL
KATHMANDU
BHUTAN
THIMPHU
BANGLADESH
DHAKA
MYANMAR
NAYPYITAW
SRI LANKA
SRI JAYAWARDENEPURA KOTTE
LADAKH
LEH
JAMMU & KASHMIR
SRINAGAR
JAMMU
HIMACHAL PRADESH
SHIMLA
PUNJAB
CHANDIGARH
UTTARAKHAND
DEHRADUN
HARYANA
DELHI
NEW DELHI
RAJASTHAN
JAIPUR
UTTAR PRADESH
LUCKNOW
SIKKIM
GANGTOK
ARUNACHAL PRADESH
ITANAGAR
ASSAM
DISPUR
NAGALAND
KOHIMA
MEGHALAYA
SHILLONG
MANIPUR
IMPHAL
TRIPURA
AGARTALA
MIZORAM
AIZAWL
BIHAR
PATNA
JHARKHAND
RANCHI
WEST BENGAL
KOLKATA
GUJARAT
GANDHINAGAR
MADHYA PRADESH
BHOPAL
CHHATTISGARH
RAIPUR
ODISHA
BHUBANESWAR
DAMAN & DIU
DAMAN
SILVASSA
DADRA & NAGAR HAVELI
MAHARASHTRA
MUMBAI
TELANGANA
HYDERABAD
AMARAVATI
Yanam (PUDUCHERRY)
PANAJI
GOA
KARNATAKA
BENGALURU
ANDHRA PRADESH
CHENNAI
PUDUCHERRY
Mahe (PUDUCHERRY)
TAMIL NADU
Karaikal (PUDUCHERRY)
KERALA
THIRUVANANTHAPURAM
LAKSHADWEEP (INDIA)
KAVARATTI
LAKSHADWEEP SEA
ARABIAN SEA
BAY OF BENGAL
ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS (INDIA)
PORT BLAIR
ANDAMAN SEA
INDIAN OCEAN
LEGEND